
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
12th HISTORY
ई-पाठशाला
उपनिवेशवाद
और देहात
ONE SHOT
पूरा चैप्टर एक ही क्लास में...
02 OCT 2026 | 03:30 PM

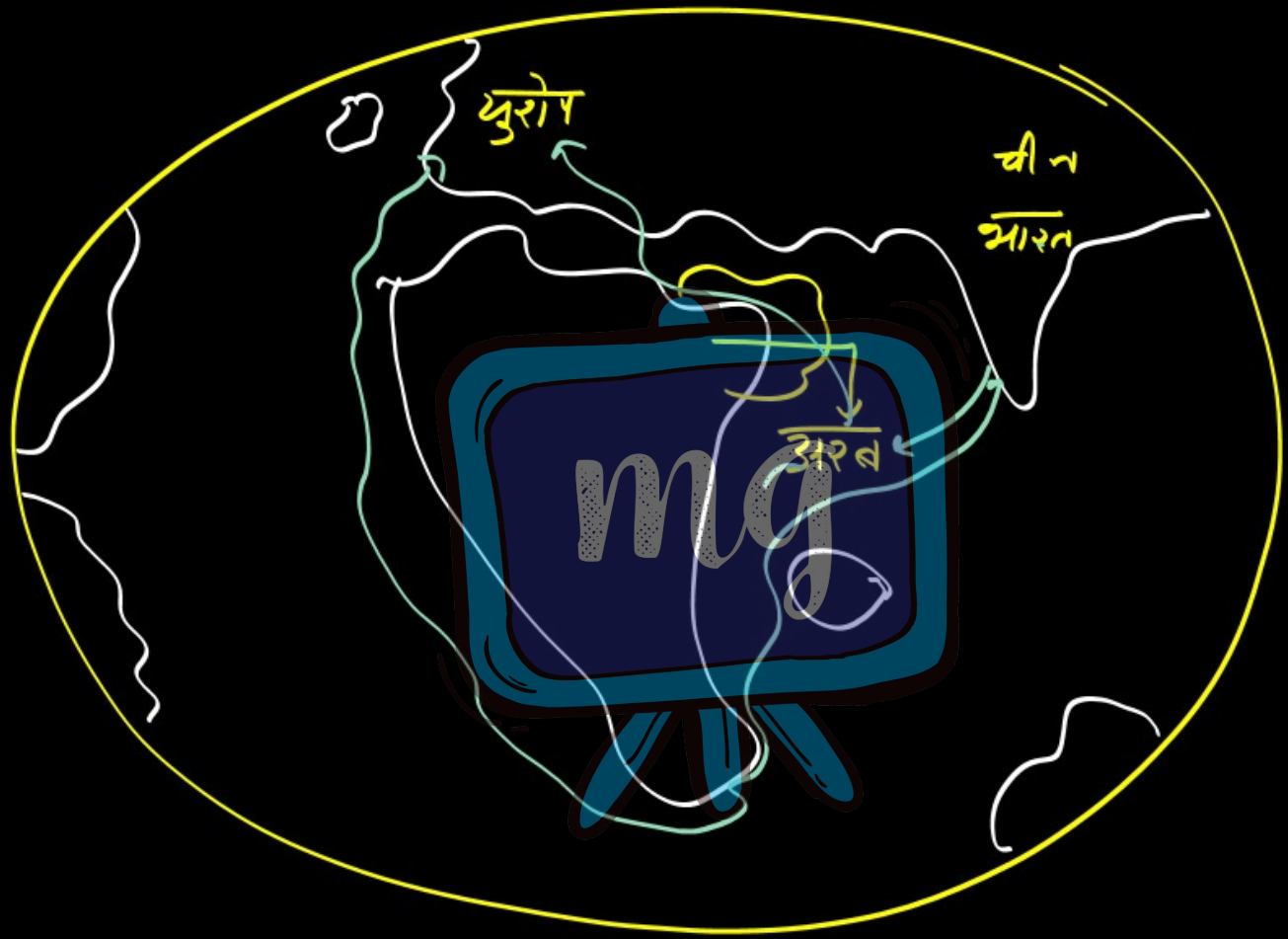
युरोप
चीन
भारत
अरब

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

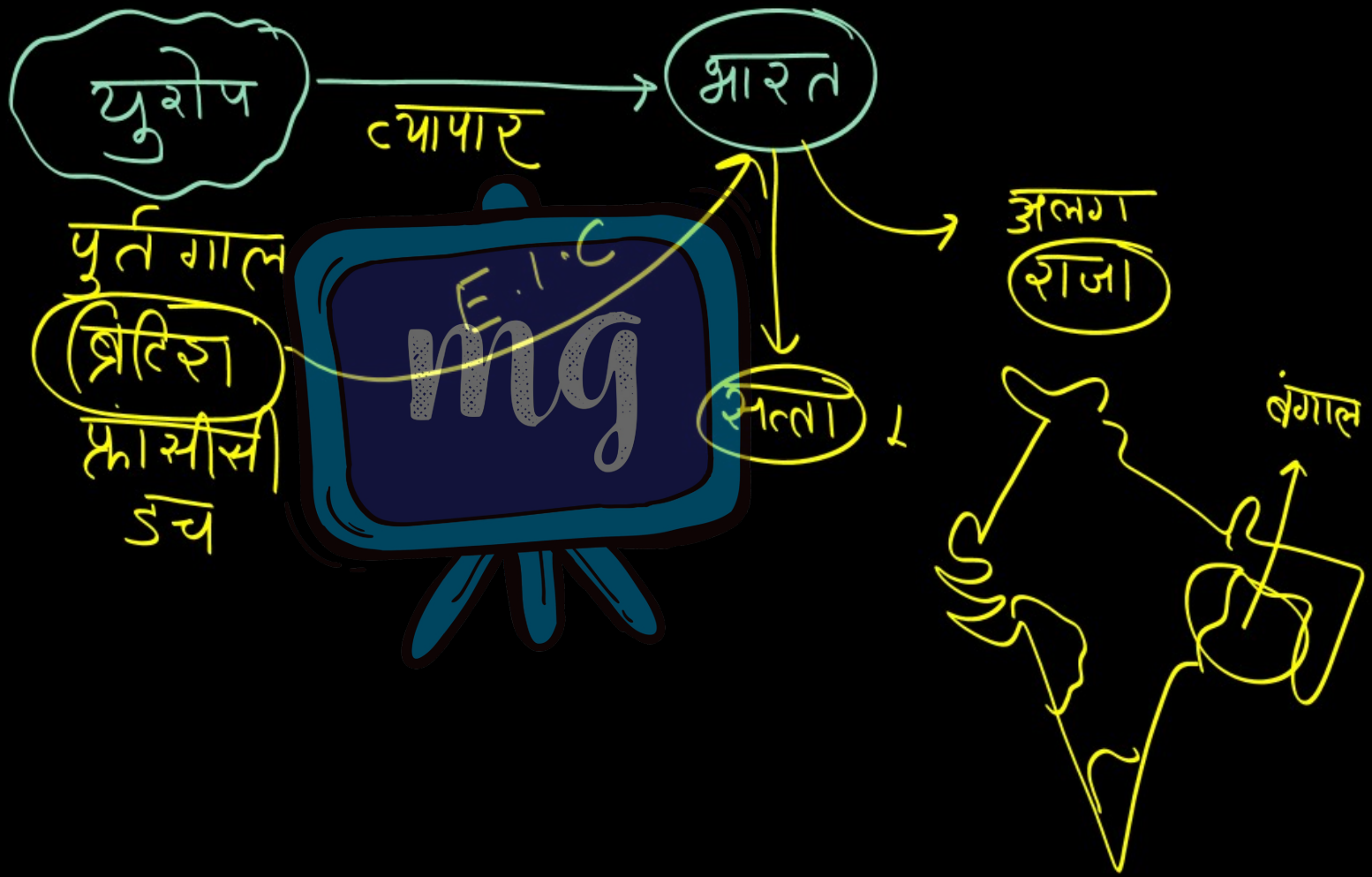


mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उपनिवेशवाद का अर्थ

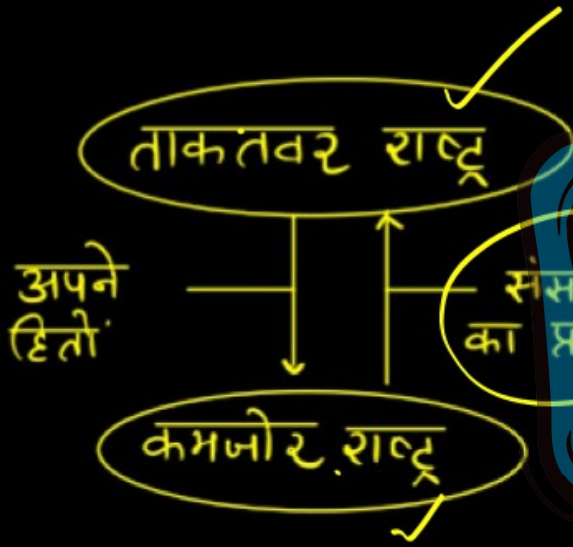

- किसी समूह एवं शक्तिशाली राष्ट्र द्वारा अपने विभिन्न हितों को साधने के लिए किसी निर्बल राष्ट्र के विभिन्न संसाधनों का शक्ति के बल पर उपभोग करना।
- भारत में लंबे समय तक ब्रिटेन के द्वारा औपनिवेशिक शासन किया गया।

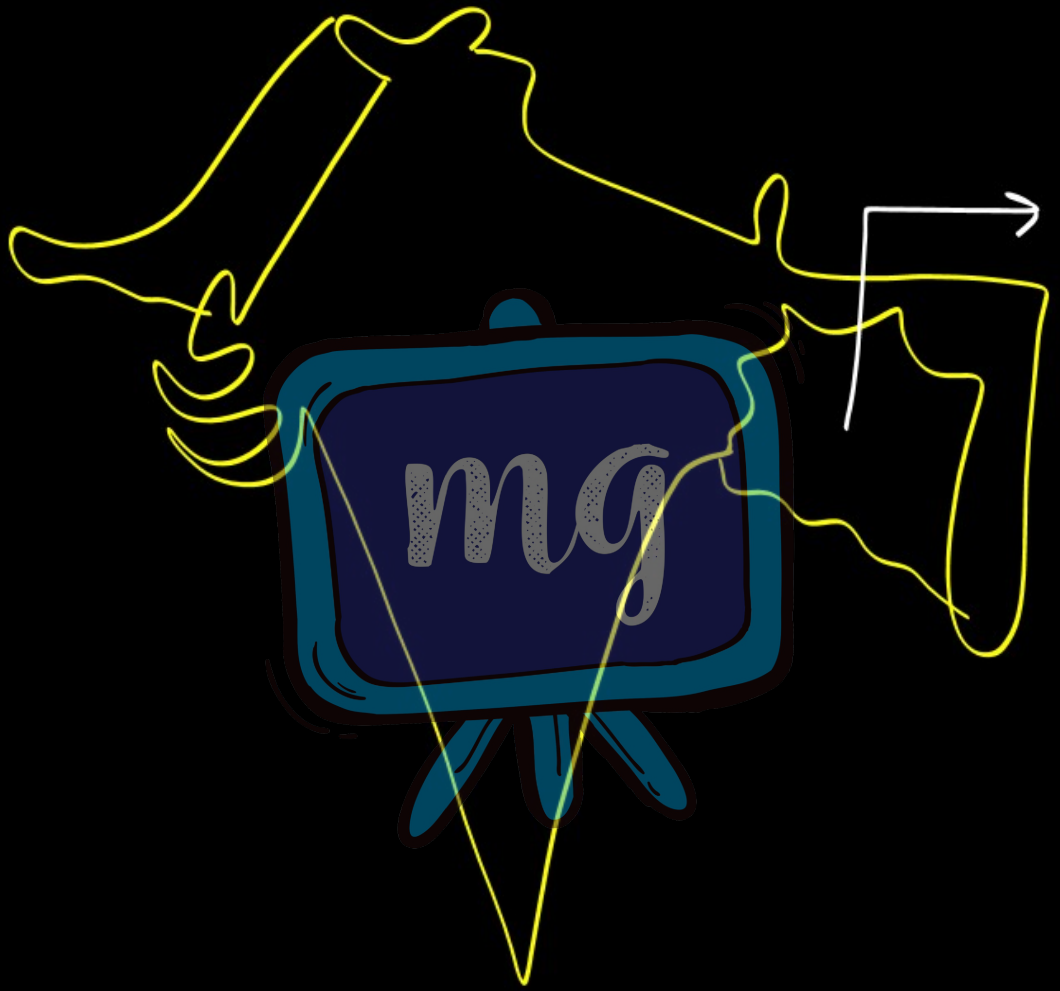

सिराजउद्दौला
v/s
अंग्रेज़
प्लासी
1757

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- 23 जून 1757 को प्लासी का युद्ध हुआ।

ईस्ट इंडिया कंपनी (अंग्रेज)	Vs	बंगाल का नवाब (सिराजुद्दौला)



- भारत में औपनिवेशिक शासन सर्वप्रथम बंगाल में स्थापित हुआ। 1757

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

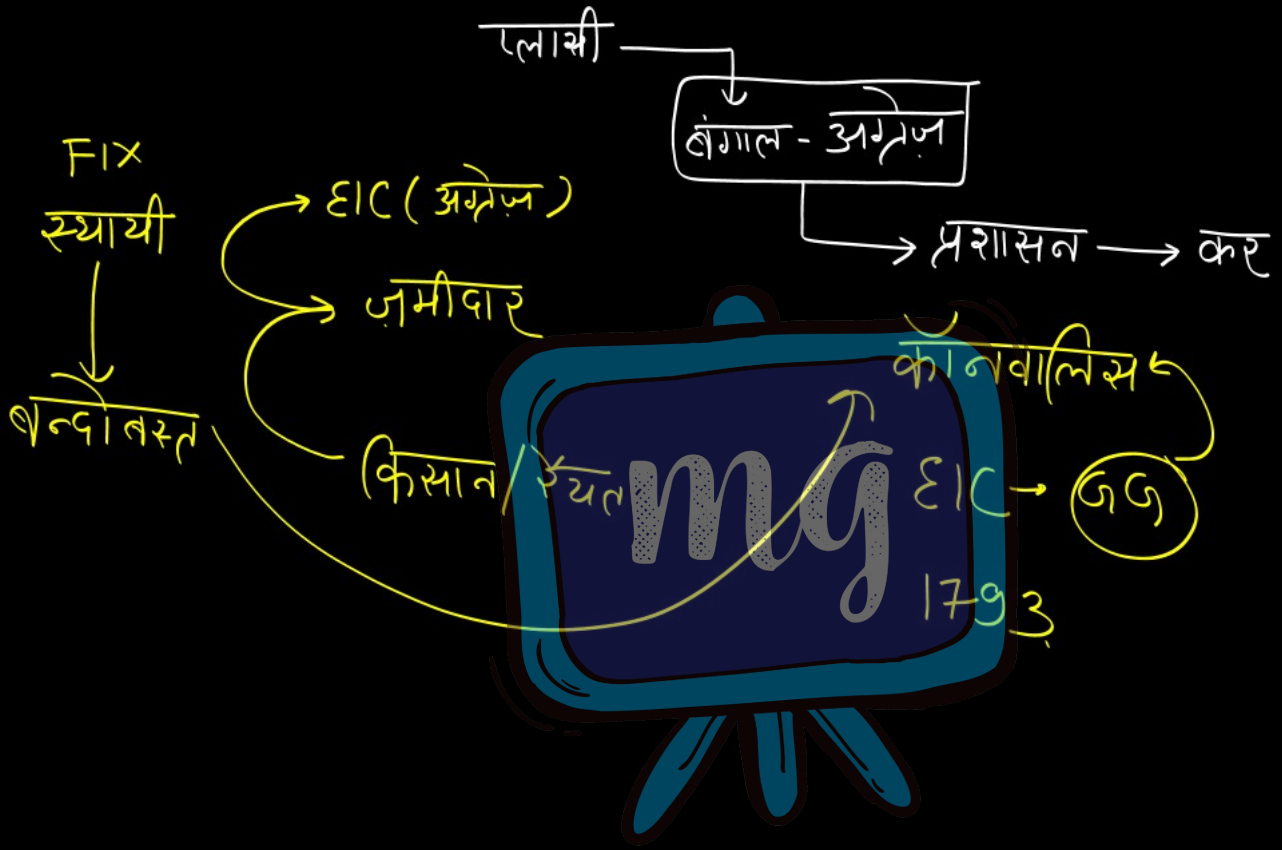

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



बंगाल का गवर्नर-जनरल
(1786-1793)

- 1793 – लॉर्ड कार्नवालिस के द्वारा बंगाल में इस्तमरारी व्यवस्था / जमींदारी व्यवस्था / स्थायी बन्दोबस्त लागू किया गया।

FIX

कृषक → जमींदार → ईस्ट इंडिया कंपनी

- सूर्यास्त कानून के तहत जमींदारी नीलाम कर दी जाती थी।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- 1793 – लॉर्ड कार्नवालिस के द्वारा बंगाल में इस्तमरारी व्यवस्था / जमींदारी व्यवस्था / स्थायी बन्दोबस्त लागू किया गया।

कृषक → जमींदार → ईस्ट इंडिया कंपनी

- सूर्यास्त कानून के तहत जमींदारी नीलाम कर दी जाती थी।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

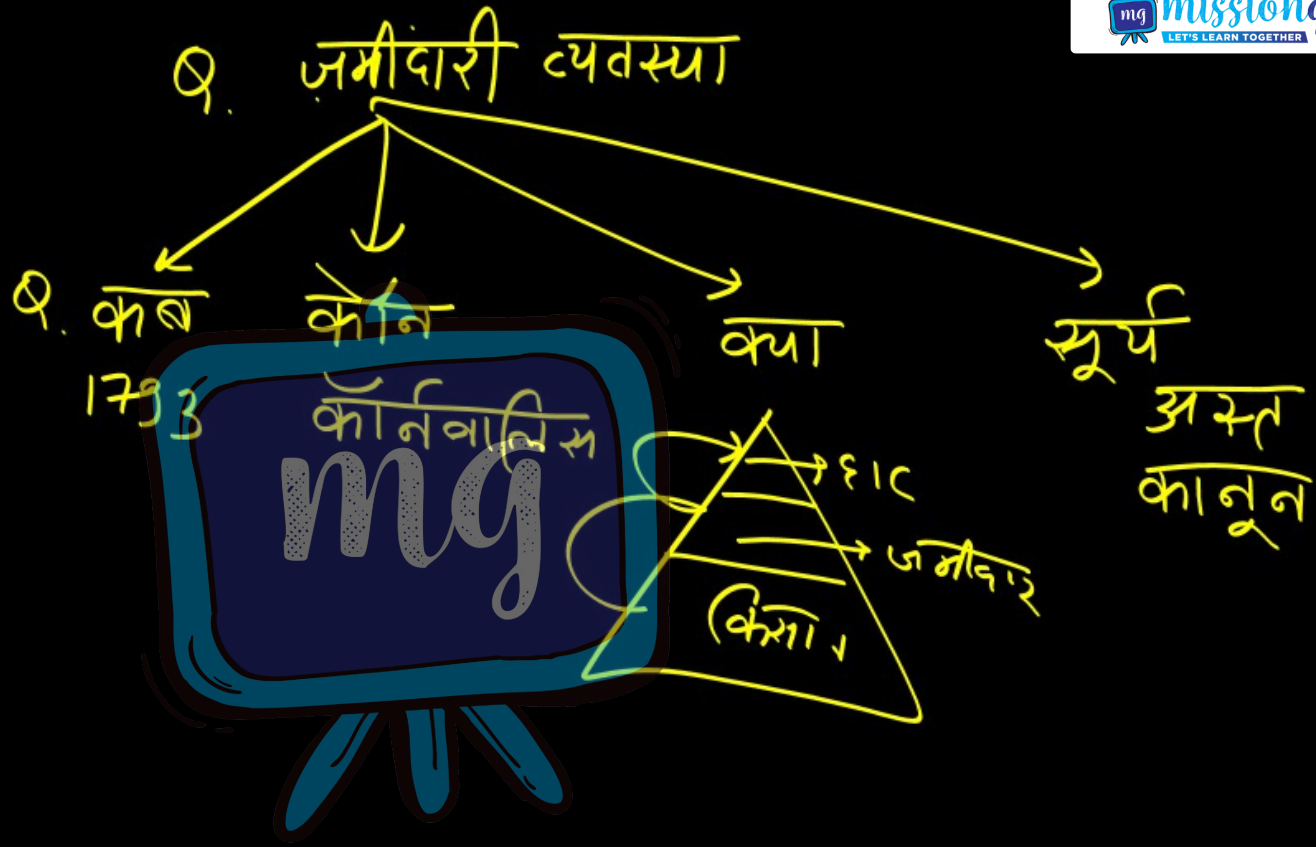

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

FIX
200 - अप्रेल - 100 ₹
200 मई - 200 ₹
200 जून - 150 ₹
200 जुलाई - 50 ₹
800 ₹

1. बंगाल और वहां के जमींदार

जमींदारी व्यवस्था क्यों लागू की गई ?

- अंग्रेज (ईस्ट इंडिया कम्पनी) राजस्व से प्राप्त आय को निश्चित करना चाहते थे।
- जमींदारों के पास कृषि में सुधार करने के लिए पूंजी और उद्यम दोनों होंगे।
- जमींदार वर्ग कंपनी के प्रति वफादार बना रहेगा।

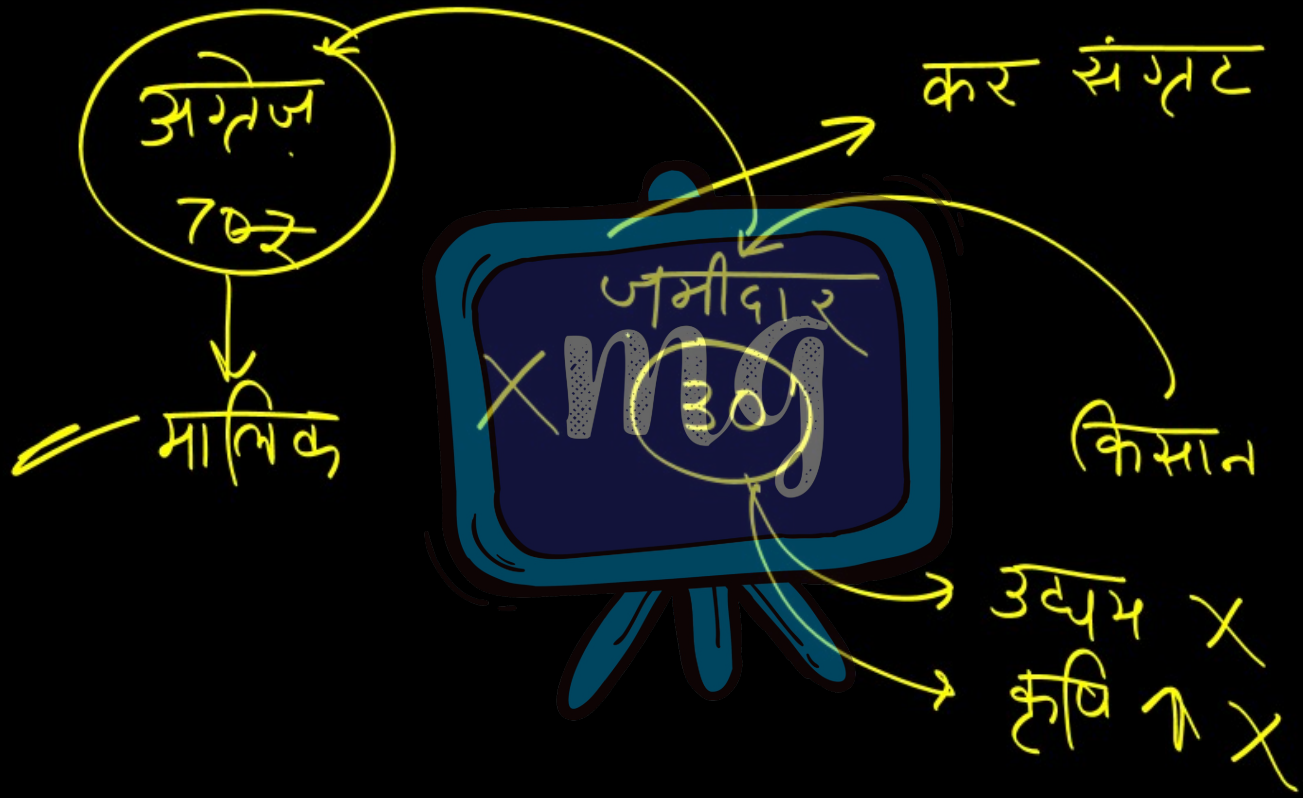
अंग्रेज
70%
मालिक
जमींदार
कर संग्रह
किसान
उद्यम X
कृषि ↑ X

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

❖ 1793 ई. में इस्तमरारी बन्दोबस्त लागू होने के बाद जमींदार गाँव में भू-स्वामी नहीं रहा, बल्कि वह राज्य का राजस्व समाहर्ता (संग्राहक) मात्र था।

❖ सूर्यास्त कानून के तहत जमींदारी की नीलामी कर दी जाती थी।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ज़मींदारी



EIC

××× → सूर्यअस्त कानून → नीलामी → 10 लाख → 15 लाख

ज़मींदार

किसान

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जमींदारी की निलामी



राजस्व बकाया → निलामी

नकली खरीदार

राजा के नौकर

mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

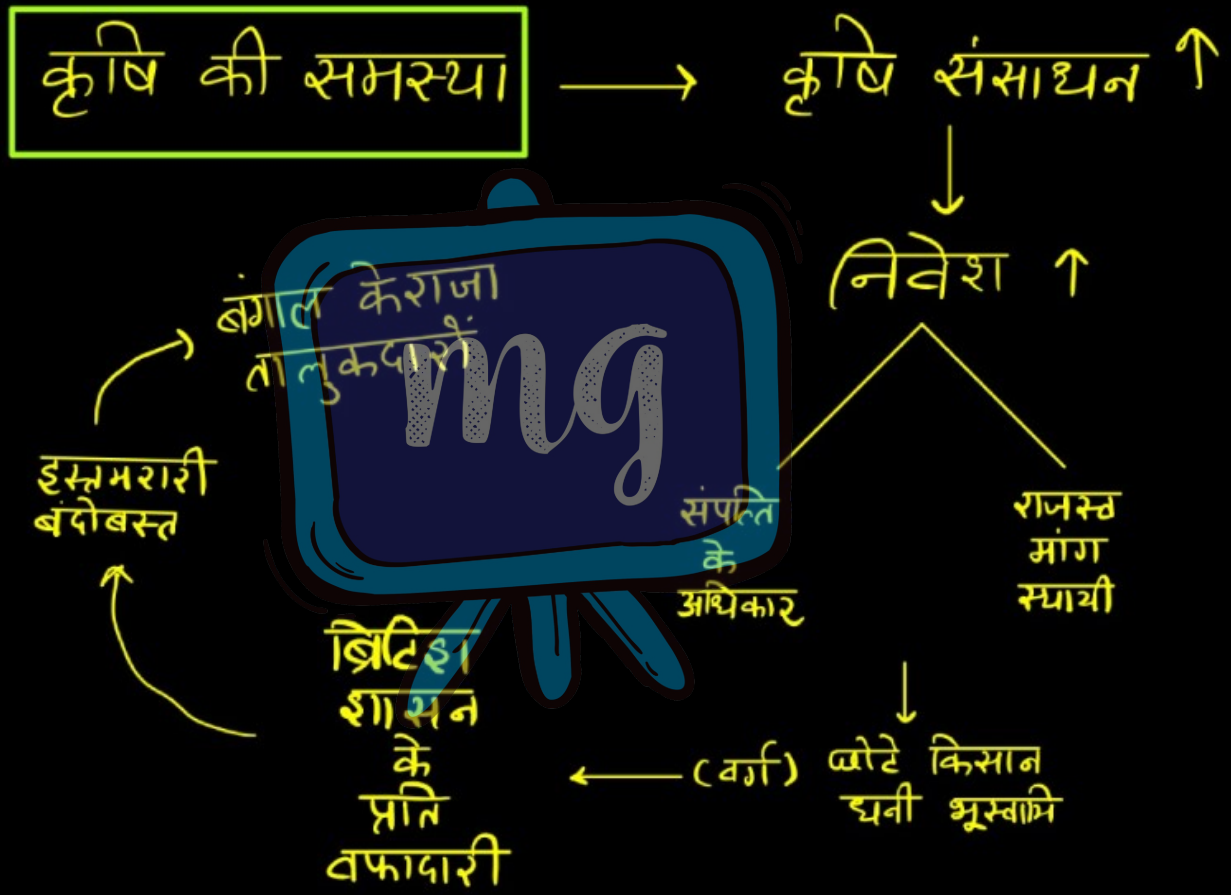

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

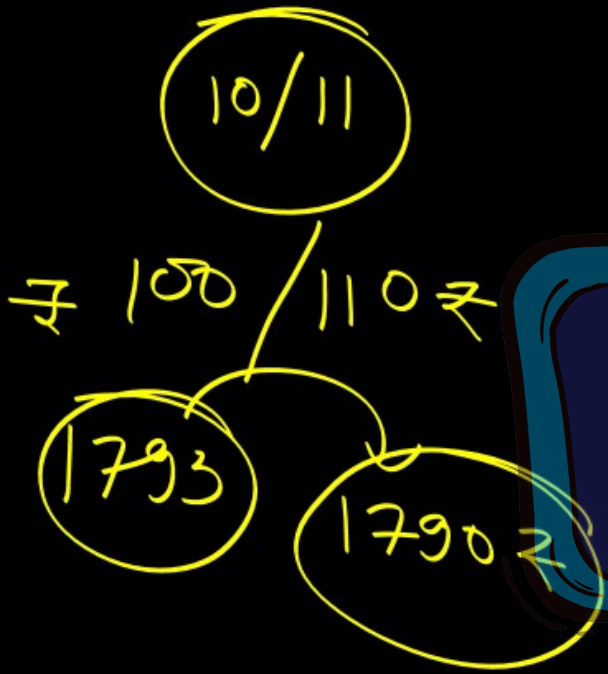

जमींदारों की असफलता के कारण ?

1. प्रारम्भिक मांगें बहुत ऊँची थी।
2. यह ऊँची मांगें 1790 के दशक में लागू की गयी थी, जब कृषि की उपज की कीमतें नीचीं थी।
3. राजस्व असमान था (अकाल)
4. प्रारम्भ में जमींदार की शक्ति को रैयत से राजस्व इकट्ठा करने और अपनी जमींदारी का प्रबंध करने तक ही सीमित कर दिया था। स्थानीय न्याय और स्थानीय पुलिस की व्यवस्था करने की शक्ति छीन ली गयी थी।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.

18वीं शताब्दी → धनी किसान (वर्ग) → ज़मींदारों से अधिक शक्तिशाली

साहूकार + महाजन

अन्य नाम
- पंटीदार
- हवलदार
- मण्डल

- गांव मे रहते थे
- ज़मींदारों का प्रतिरोध
- रैयतों को एकजुट
- ज़मींदारी खरीद लेते थे।

जोतदार

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



जोतदारों का उदय

- जोतदार – धनी किसानों का समूह

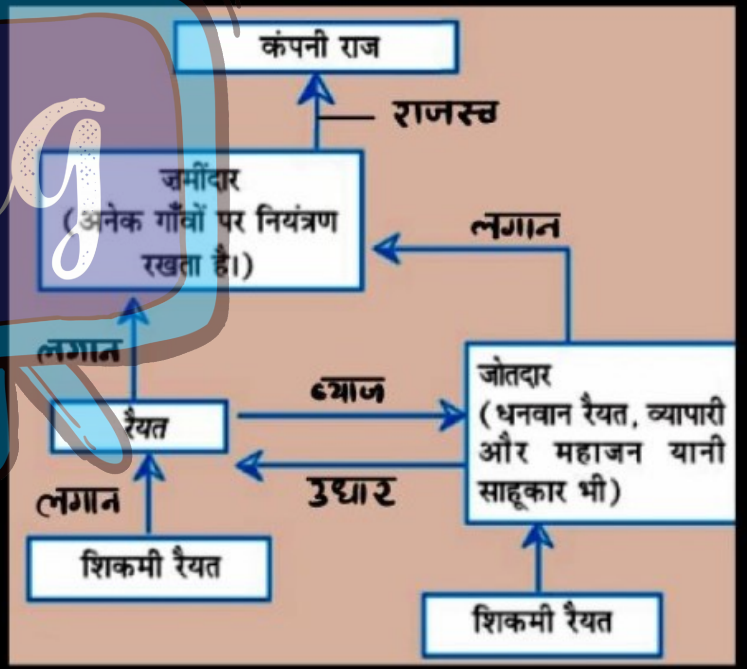

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



जमींदार की ओर से प्रतिरोध

- जमींदारी/भू-संपदा की संभावित नीलामी की समस्या से निपटने के लिए जमींदारों ने नयी रणनीतियां बनायी।

1. फर्जी बिक्री जैसे बर्दवान में की गयी नीलामी की घटना।
2. नए जमींदार को जमीन का कब्जा नहीं देते थे।
3. पुराने रैयत नए जमींदार का विरोध करते थे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

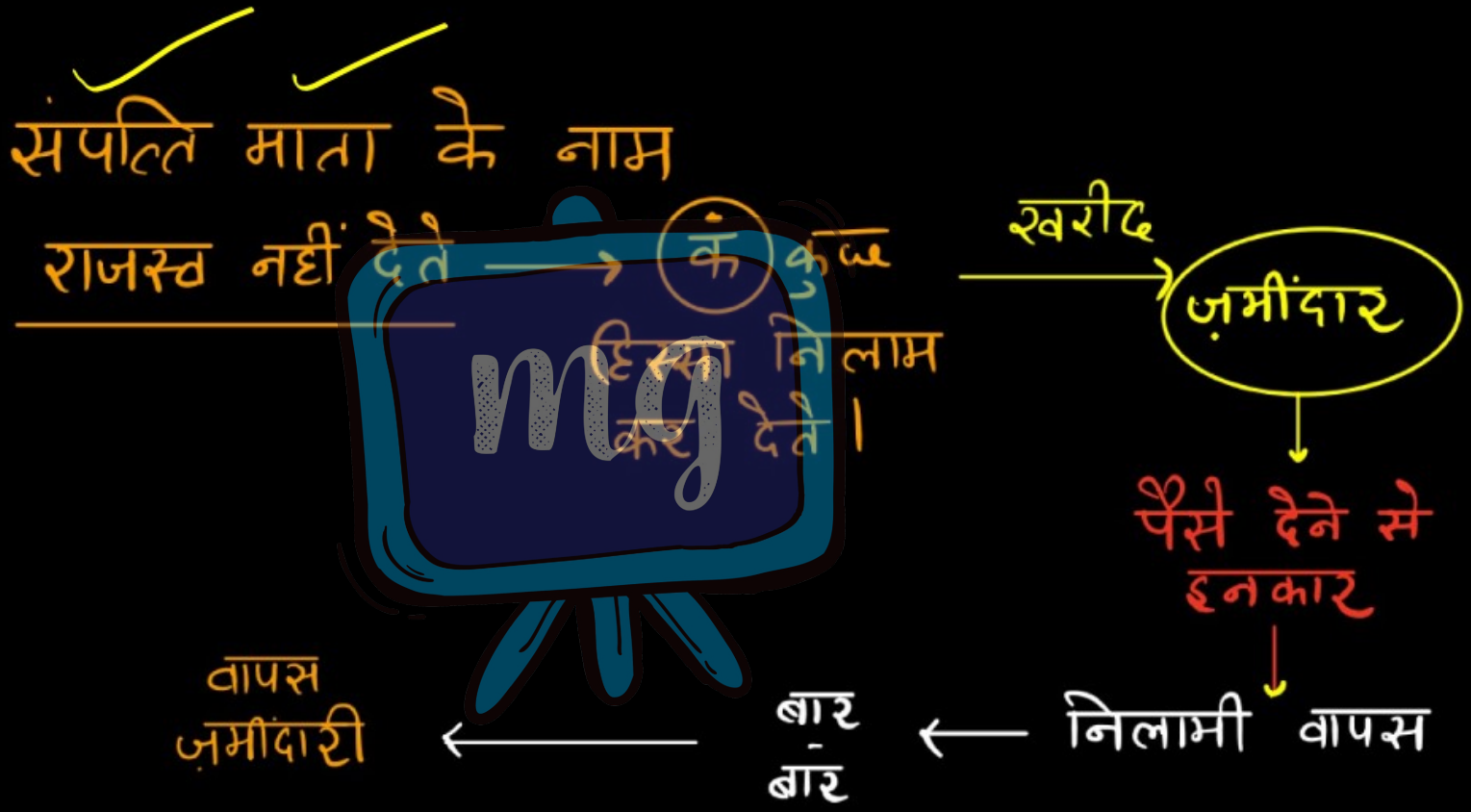

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- 19वीं शताब्दी के प्रारम्भ में मंदी की स्थिति समाप्त हो गयी। + नियम लचीला
- इसके बाद जमींदारों ने सत्ता को सुदृढ़ बना लिया।



1930 मंदी ⟶ जमीदार ↓
जोतदार ↑

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अंग्रेज़ ⟶ कर ↑ कृषि ↑ खेती ↑

↳ कर ↑

↓

ज़मीन ↑

जंगलो ✕




बड़ी खतरनाक जगह !
फ्रांसिस बुकानन
बंगाल
(नीली जमीन)
(स्थायी कृषि)
राजमहल पहाड़ियां
(सूखी जमीन)
(झूम कृषि)

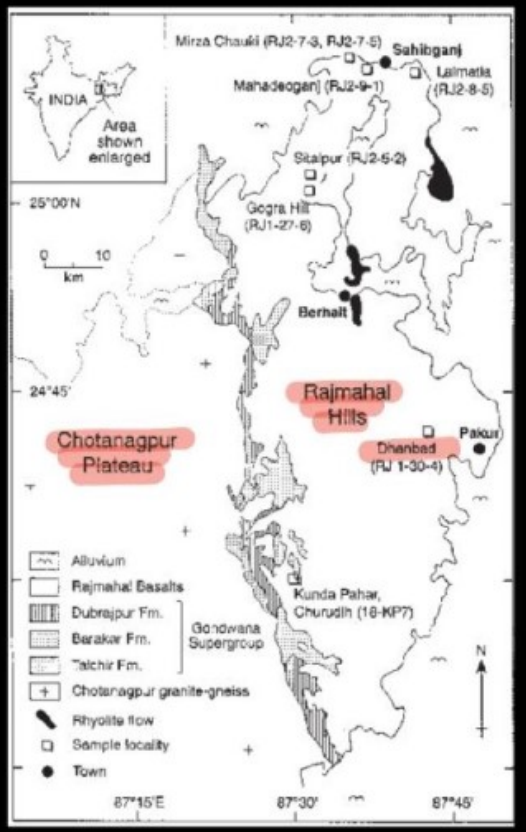
Mirza Chauki (RJ2-7-3, RJ2-7-5)
Sahibganj
Lalmatia (RJ2-8-5)
Mahadeogani (RJ2-9-1)
INDIA
Area shown enlarged
Sitalpur (RJ2-5-2)
25°00'N
Gogra Hill (RJ1-27-6)
0 10 km
Berhait
24°45'
Rajmahal Hills
Chotanagpur Plateau
Pakur
Dhanbad (RJ 1-30-4)
Alluvium
Rajmahal Basalts
Dubrajpur Fm.
Barakar Fm.
Talchir Fm.
Gondwana Supergroup
Chotanagpur granite-gneiss
Rhyolite flow
Sample locality
Town
Kunda Pahar, Churudih (18-KP7)
N
87°15'E
87°30'
87°45'

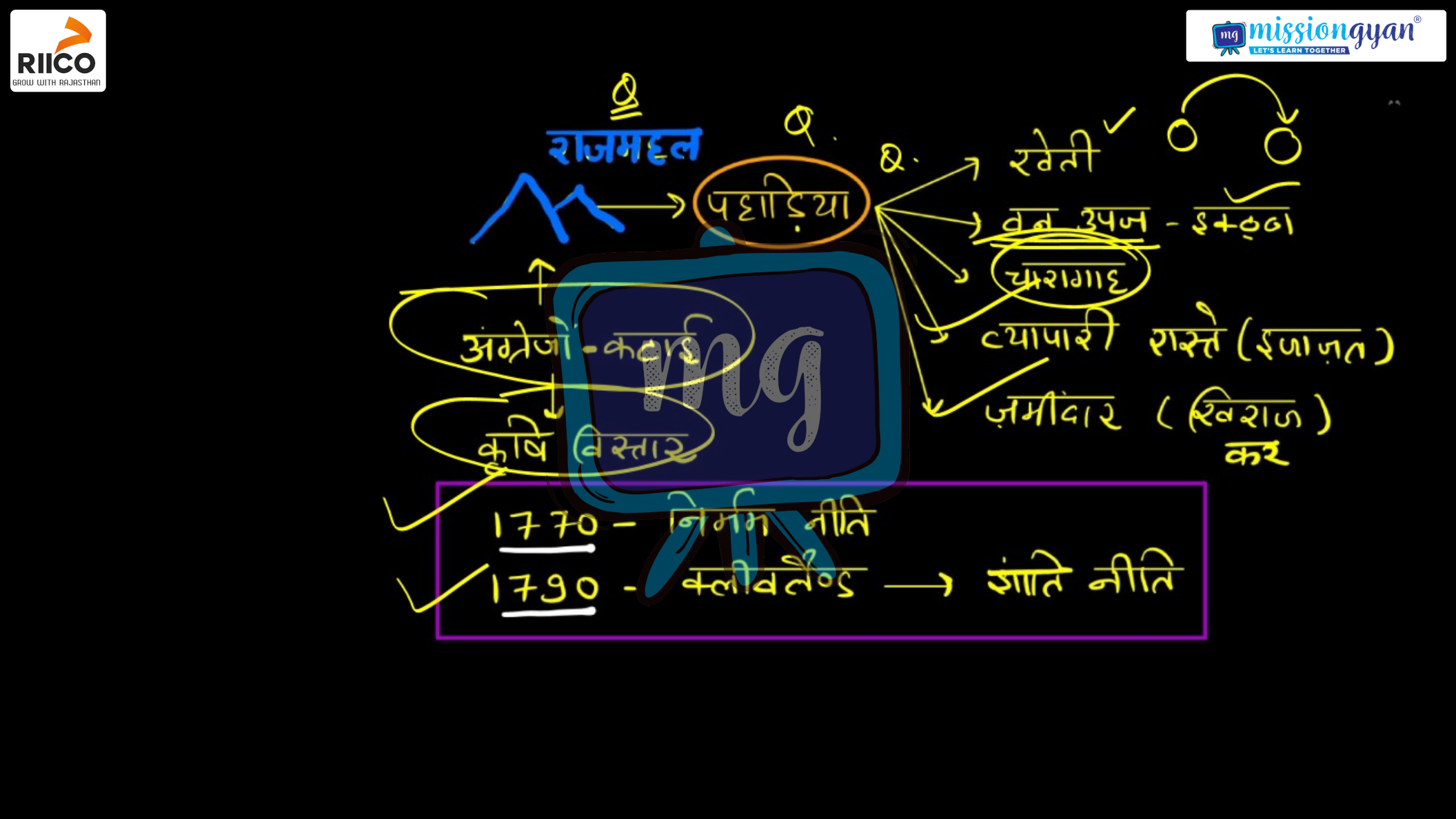
राजमहल
पहाड़िया
रबेती
वन उपज - इमली
चरागाह
व्यापारी रास्ते (इजाज़त)
ज़मींदार (खिराज) कर
अंग्रेजों - कलार्क
कृषि विस्तार
1770 - निर्मम नीति
1790 - क्लीवलैण्ड → शांति नीति

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

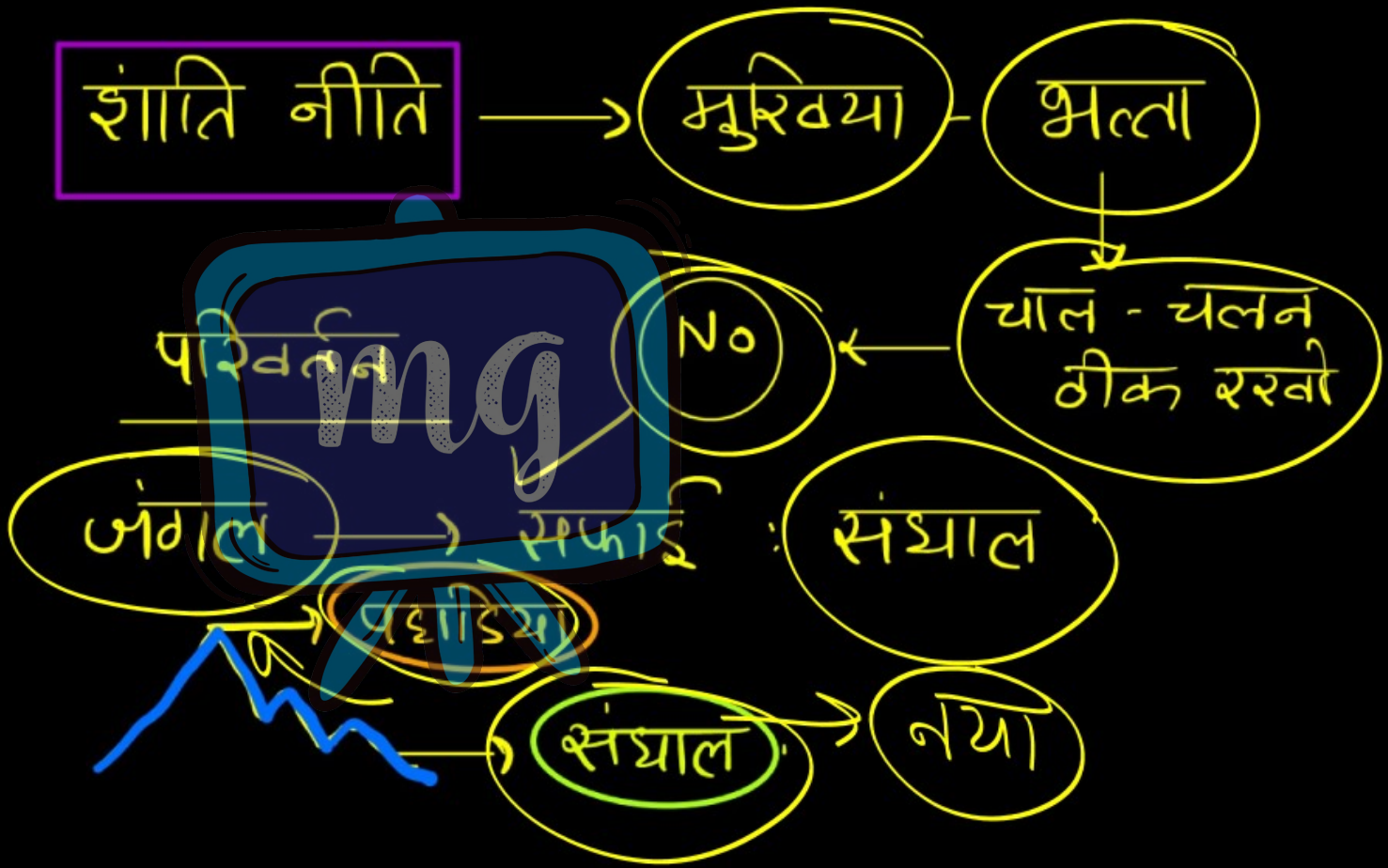

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1780- संथाल बंगाल आगमन

ब्रिटिश v/s संथाल ✓ → आदर्श कृषक

पहाड़िया ✗ → काबू में नहीं

1832 - "दामिन इ कोह" → संथालो की भूमि प्रोषित

संथालो के गांवो की बढ़ोतरी

संथाल भी परेशान ??

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

साहूकार (दिकू) → ब्याज → संथाल ← राजस्व ← सरकार

1855 - संथाल विद्रोह

परगना
(भागलपुर + बीरभूम)
→ विशेष कानून

mg







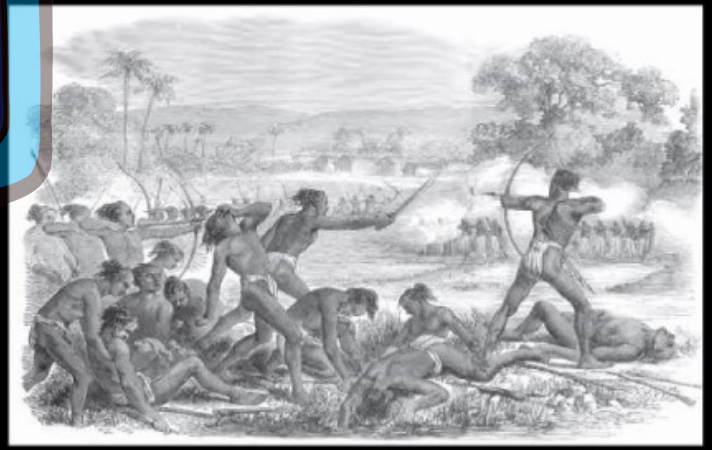

सिधू मांझी



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

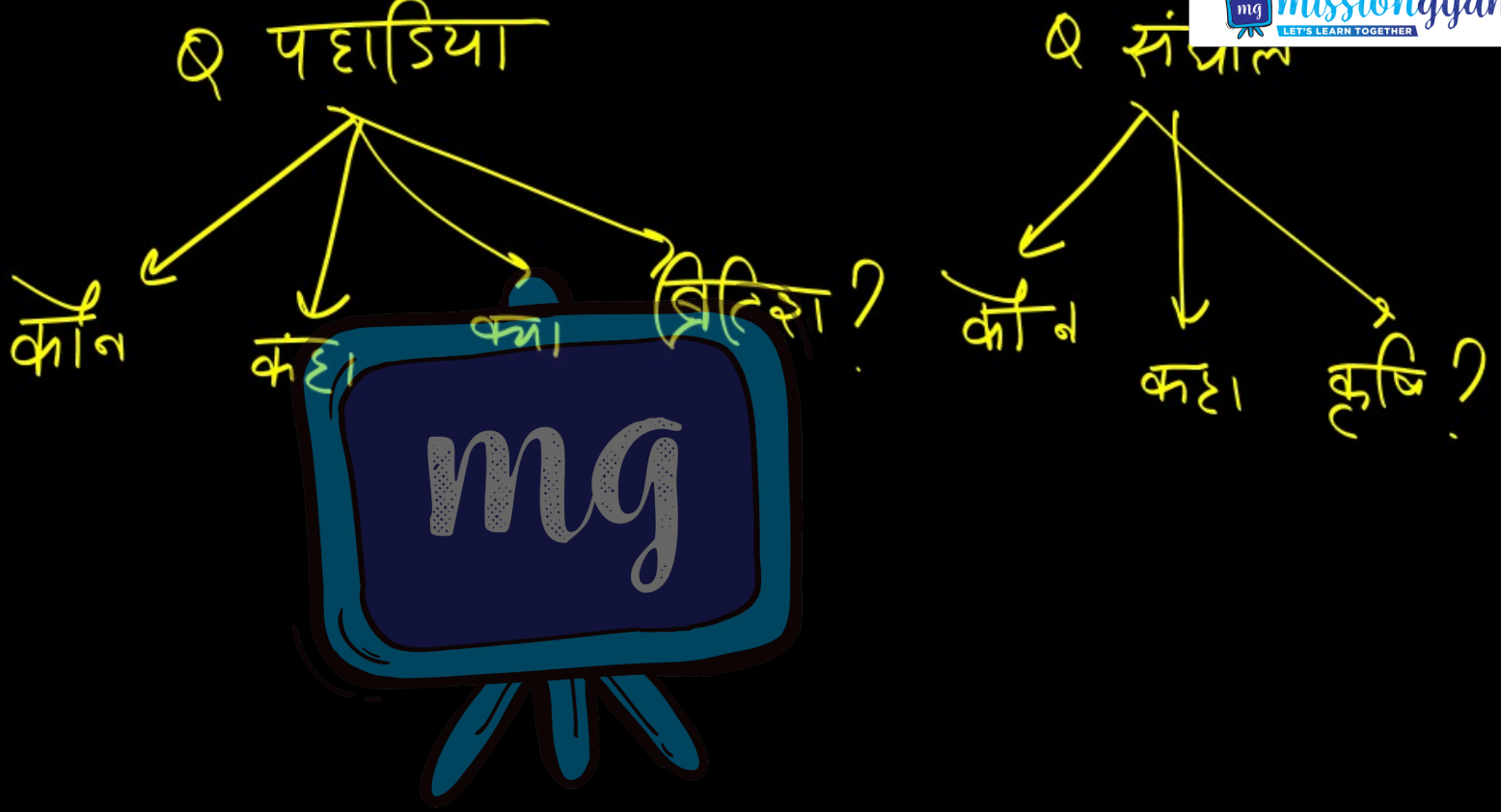

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

झूम खेती

पेड़-पौधों को काटकर जला दिया जाता है।

↓

उर्वर —— खेती

↳ परती छोड़ दिया जाता है।

कुदाल और हल

कुदाल : पहाड़िया लांगों के जीवन का प्रतीक

हल : नए बाशिदों (संथाल) की शक्ति का प्रतीक

- राजमहल की पहाड़िया – झारखण्ड
- ↓
- यहां पहाड़िया लोग रहते थे।
- ↓
- झूम खेती करते थे।
  - रेशम कोया
  - लकड़ी - काठकोयला।
  - चारगाह
- ↓
- अंग्रेजों के द्वारा कृषि भूमि का विस्तार किया गया।
- ↓
- ज्यों - ज्यों स्थायी कृषि का विस्तार होता गया जंगलों व चारागाहों का क्षेत्र संकुचित होता गया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- पहाड़ी लोगों और स्थायी खेतीहरों के बीच झगड़ा तेज होता गया।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

संथाल - अगुआ बाशिंदे

संथाल विद्रोह :- 1855-56

- संथाल लोग 1780 के आस-पास बंगाल में आने लगे थे।
- संथाल मुख्यतः कृषक थे।
- जमींदार लोगों ने नयी कृषि भूमि तैयार करने और कृषि क्षेत्र का विस्तार करने के लिए इन्हें आमंत्रित किया।
- 1832 तक, जमीन के एक काफी बड़े इलाके को "दामिन-ए-कोह" के रूप में सीमांकित कर दिया गया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

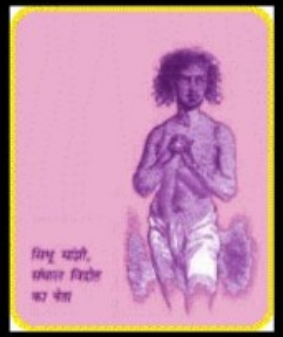



दामिन-ए-कोह - यह भागलपुर से राजमहल तक का वन क्षेत्र था।

- ब्रिटिश सरकार द्वारा दामिन-ए-कोह का निर्माण संथाल समुदाय को बसाने के लिए किया गया था।
- सरकार (राज्य) ने भारी कर लगाए।
- साहूकार (दिकू) लोग संथालों की जमीन हड़प लेते थे।

संथाल विद्रोह हुआ - 1855-56
नेता - सिधू मांझी
प्रतीक - हल

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

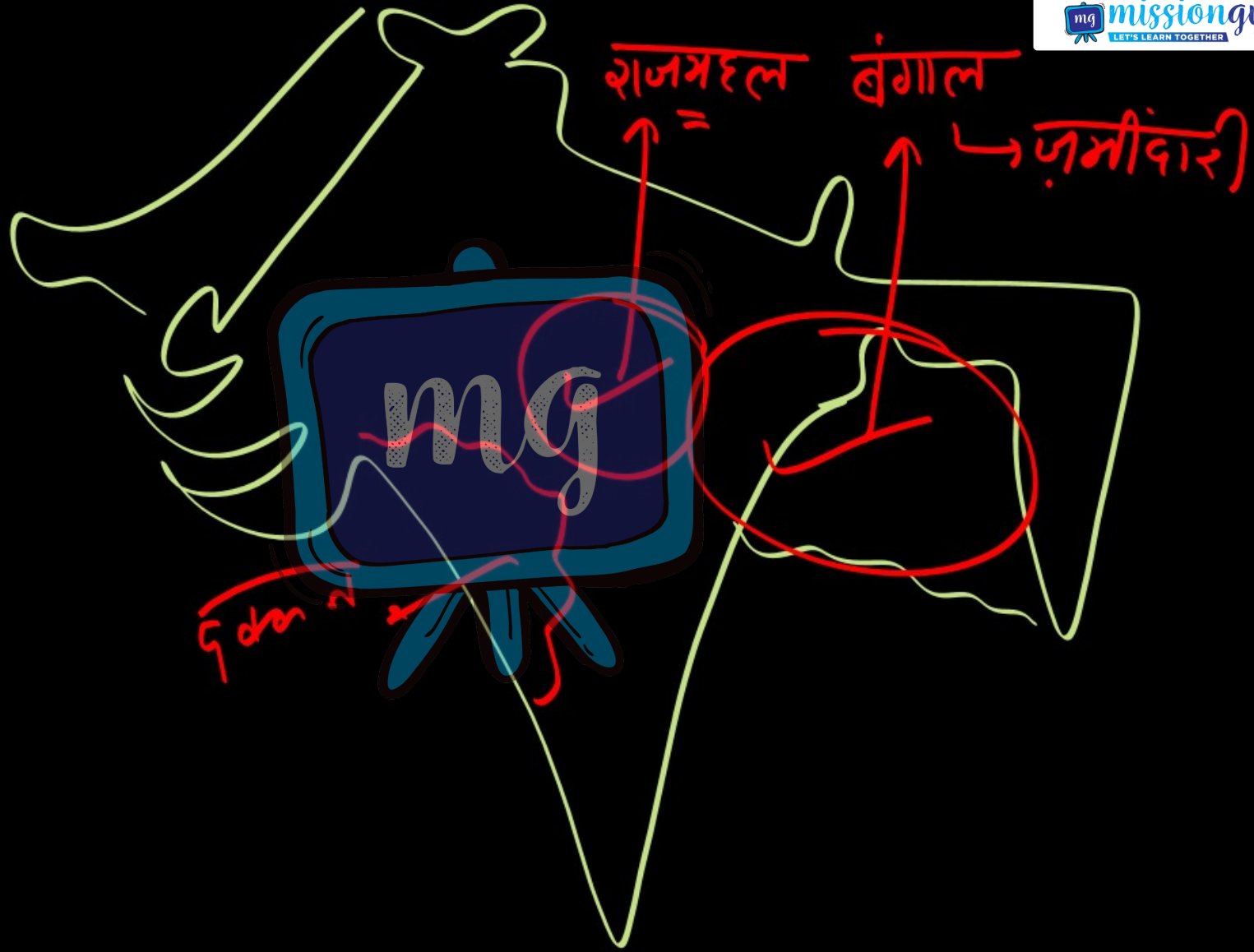

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

दक्कन → पुना → सूपा → कृषि मंडी

→ काली मृदा → कपास



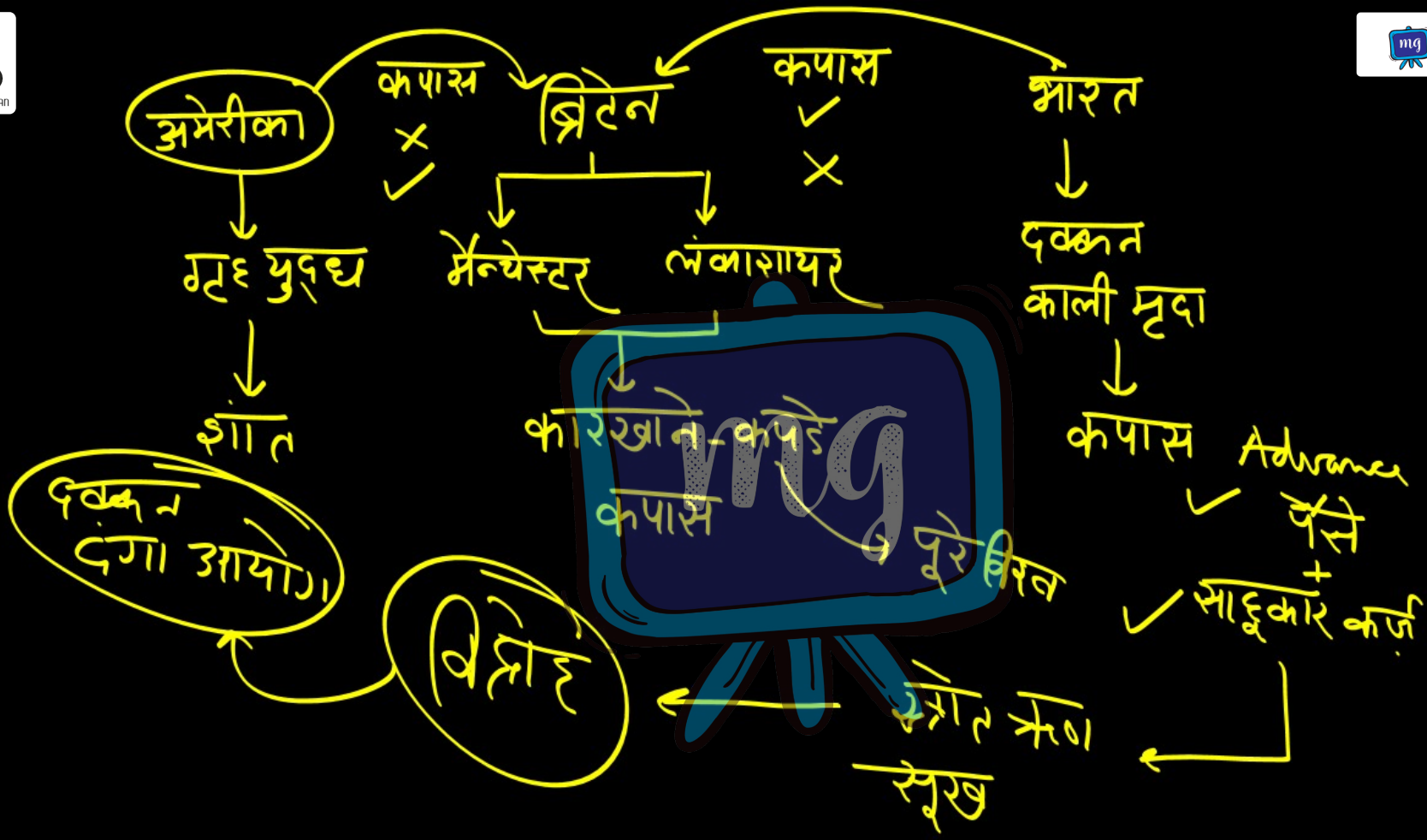
अमेरीका
कपास
×
ब्रिटेन
कपास
×
भारत
गृह युद्ध
मैन्चेस्टर
लंकाशायर
दक्कन
काली मृदा
शांत
कारखाने-कपड़े
कपास
कपास
Advance
पैसे
+
साहूकार कर्ज
दक्कन दंगा आयोग
विद्रोह
पूरे विश्व
शोषण ऋण
सूखा

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ऋण का स्त्रोत सूख गया

- 1865 तक अमेरिका में गृह युद्ध बंद हो गया।
- ↓
- अमेरिका में कपास का उत्पादन फिर से चालू हो गया।
- ↓
- भारतीय कपास के निर्यात में गिरावट आती चली गयी।
- ↓
- व्यापारी और साहूकारों ने कपास उत्पादकों को ऋण देने बंद कर दिये।
- ↓
- सरकार द्वारा लगान भी बढ़ा दिया गया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- ब्रिटेन - कपास की आवश्यकता है।
  - कपास सौदागर/साहूकार
    - भारतीय किसान (प्रति एकड़ के लिए 100 रुपये अग्रिम राशि दी जाने लगी)
    - 1862 में ब्रिटेन में कपास की आपूर्ति का 90 प्रतिशत भाग भारत से जाने लगा।

कपास उत्पादकों को क्या मिला?

ऋण का स्त्रोत सूख गया

भारत 1st → 1865 - निर्यात ↓ → अमेरिका गृहयुद्ध समाप्त

↓

ब्रिटेन ने वहां से ले लिया।

निर्यात व्यापारी + साहूकारों ←

समस्या

ऋण स्त्रोत सूखत

1820 - बंदोबस्त

↓ +30 साल

नया बंदोबस्त

↳ 50-100% ↑



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अन्याय का अनुभव

किसान = रैयत

साहूकार

समुदाय गुस्सा ? → ऋणदाता वर्ग इतना संवेदनशील क्यों हो गया।



जबरन वसूली

मूल - 100 ₹ अत्याधिक
ब्याज़ - 2000 ₹ ब्याज

यह वर्ग परंपरागत नियमों का भी उलंघन कर रहा है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ऋणदाताओं ने शिकायत की अंग्रेजो

1859 - अंग्रेज परिसीमन कानून

रैयत

ऋणपत्र

हस्ताक्षर

ऋणदाताओं

तीन वर्ष

ब्याज संचय रोका जाए।

साहूकार की चालाकी

- नया बंध पत्र बनता
  ↳ (बकाया राशि + ब्याज़) = नया मूल
- जमा की रसीद नहीं देते।
- जाली आंकड़े भरते।
- किसान की फसलें कम कीमत पर खरीदी गई।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

ऋण का स्त्रोत सूख गया

- 1865 तक अमेरिका में गृह युद्ध बंद हो गया।
- अमेरिका में कपास का उत्पादन फिर से चालू हो गया।
- भारतीय कपास के निर्यात में गिरावट आती चली गयी।
- व्यापारी और साहूकारों ने कपास उत्पादकों को ऋण देने बंद कर दिये।
- सरकार द्वारा लगान भी बढ़ा दिया गया।


mg